

है गणनायक महाराज म्हारे आँगन आवो

है गणनायक महाराज , म्हारे आँगन आवो आज
है गोरी सुत , गणराज , म्हारे आँगन आवो आज
चारो ओर , एक ही शोर , आओ है गणराज
शिव के दुलारे राखो , तुम अब भक्तो की लाज
है गणनायक महाराज

हो ..आओ मूषक वाहन देवा , हाँ देवा
ओ गणराजा करा में थारी सेवा
रिद्धि और सिद्धि लाओ , हाँ लाओ
देवा आँगन में आकर रस बरसाओ
चारो ओर , एक ही शोर , आओ है गणराज
शिव के दुलारे राखो , तुम अब भक्तो की लाज
है गणनायक महाराज

हो देवा , आनंद मंगल करजो , हाँ करजो
दुख संकट ने पल में बाबा हरजो
सुख सम्पति भरपूर दीजो , हाँ दीजो
बाबा भक्ता रे घर मे सदा ही रहजो
चारो ओर , एक ही शोर , आओ है गणराज
शिव के दुलारे राखो , तुम अब भक्तो की लाज
है गणनायक महाराज

महीना भादव का आया , हाँ आया
गणेश उत्सव का रंग घर घर में छाया
हो आये " दिलबर " ये गणराज , हाँ गणराज
कहे विक्रम ये भक्तो के सिरताज
चारो ओर , एक ही शोर , आओ है गणराज
शिव के दुलारे राखो , तुम अब भक्तो की लाज
है गणनायक महाराज

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17899/title/he-ghanyaank-maharaj-mahare-angana-aawo>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |